

NALANDA OPEN UNIVERSITY

**e-Content for B.A/BSc Home
Science(Honours),Part-3,**

सोनी कुमारी,शोधार्थी,गृह विज्ञान विभाग मगध
यूनिवर्सिटी गया, काउंसलर नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी

Unit-2: वस्त्र विज्ञान: इतिहास,संगठन

प्रकार एवं उत्पादन. पत्र-5

**Topic-कपास: इतिहास, संगठन,प्रकार उत्पादन
एवं उपयोग.**



कपास एक प्राकृतिक तंतु है जो वानस्पतिक रेशों के वर्ग के अंतर्गत आता है इसकी रचना सेल्यूलोज से होती है यह कपास के पौधे से प्राप्त रेशा है।

इतिहास: कपास के वस्त्र के निर्माण का पहला तथा प्रमुख केंद्र भारत ही है ऐतिहासिक तथ्यों से सिद्ध होता है कि भारत ही कपास की जन्मभूमि है।

संगठन: कपास का रेशा मुख्यतः सेल्यूलोज का बना होता है इसका रासायनिक $C_6H_{10}O_5$, अर्थात् कार्बन के 6 हाइड्रोजन के 10 और ऑक्सीजन के 5 परमाणु मिलकर एक अनु कपास के तंत्र के निर्माण करते हैं इसमें 40-90% सेल्यूलोज 5-8% पानी तथा अन्य अशुद्धिया पाई जाती हैं।

प्रकार: समुद्र द्वीप कपास, मिश्र कपास, विमा कपास, अप लैंड कपास, पीरू तथा ब्राजील के कपास एशियाई कपास।

एशियाई कपास: यह भारत में विभिन्न प्रकार की पाई जाती हैं:

कोमठा कपास,हिमंगघाट कपास,अमरावती कपास,घारवाड़ कपास, फ्रीनि घाटी कपास,बंगाल कपास, सिंध पंजाब कपास।

उत्पादन: कपास की खेती,कोए एकत्र करना, बिनोले निकालना गांठ बांधना, गांठों को खोलना तथा आपस में मिलाना, कार्डिंग डबलिंग कंधी करना ,पूनी बनाना, कताई, बुनाई ,परिष्कृति एवं परिसज्जा।

भौतिक विशेषताएं: अनुवीक्षणीय रचना, लंबाई, रंग, चमक लक लचीलापन, तनाव सामर्थ्य, प्रतिस्कंदता एवं मिलावट, प्रतिरोधन नमी सोखने की क्षमता, ताप का संचालन, रगड़ का प्रभाव, प्रकाश का प्रभाव, संकुचन।

रसायनिक विशेषताएं: छार का प्रभाव, अम्ल का प्रभाव, ब्लीच का प्रभाव, रंग का प्रभाव, ताप का प्रभाव तथा दाह्यता, जीवाणुओं का प्रभाव, कीड़े का प्रभाव, अपघर्षण प्रतिरोधकता।

कपास का उत्पादन:



धन्यवाद।